...अऊर दुर्बल प्रसाद क बाकृष्ण होय गऐन, अऊर दुबरराम बालकृष्ण बन गऐन।.

4 महिना क बालकृष्ण

12 महिना क होव्य तक
दुबरराम होई गऐन
12-12 डॉक्टर किहेत,
12-12 डिब्बा दिहेन
गाय - बकरी क दूध दिहेन
भईसीक दूध दिहेन
दाल-भात क पानी दिहेन
कणेरी मूर्गी क सूप दिहेन
परंतू दुर्बलप्रसाद कुछ
बलवान न होई पाऐन।.
फिर भंयल साक्षात्कार
अरे ई तहव भूखा
दूध, कणेरी, नारियलपानी
ई किहेस लडक्यन क नास.
ऐम्मा अनाज कम अऊर
पानी ज्यादा
जवन किहेस लडक्यन के भूखा
अगर ऐकव बार दिहेन लडक्या
के पतिल अन्नाज
त लडक्यन होयेन दुबर
ई हॉत दिन भर दूध,
माडं क भरी मार
फिर का होई ई हिंन्दूस्तान
ई त भयलं दुबरस्थान।.

ई सब टालंय के चाहीं,
लडक्यन के पाचवॉं महिनासे
अन्नाजप्राशन करय के
चाहीं।.
दादी के गोद में हलूवा चटावं।.
मामी के गोद में तेल खिचडी खियावं
बुवॉ के गोदी में घी-दाल चावल खियाव।.
ऐकरे बाद ही हर लडक्यन के
महतारी अपने छाती से लगाव्यं।.
धीरे- धीरे लडक्यन के आहार क गाडी
स्तनपान से घरेके खाना पे जाई।.
ऊ लडक्यॉ बालकृष्ण होय जाई।.
जन्म दिन के बाद लडक्यन क

जेब चन्ना, मुरमूरा से भरकें रखयं।. बालकृष्ण क गला में खारिक, नारियल, क हार जय हो।. पहनाव्यं।.

बालकृष्ण के देखके सबके तृप्ति मिली।.

अक्षयपात्र हर जरुरत पूरी करथ।.

एक्खे अक्षयपात्र में चना, मुरमूरा, मुंगफली आदि सभय दाना रखथेनं।. सबसे ज्यादा भारतीय के आहार में होव्य वाली 15 प्रतिशत कमी, सबसे ज्यादा कमजोर लडक्यन के आहार में कमी अऊर ज्यादा जरूरी गर्भवती के, अऊर दूध पियवाली महतारीन में कमी।.

उर्जा	प्रोटीन्स्	570	22
(कॅलरीज)	(प्रोटीन्स्)	450	16
ग्राम में	ग्राम में		